भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 1309

दिनांक 30 जुलाई, 2024 के लिए प्रश्न

कोसी में दुग्ध उत्पादन

1309. श्री दिनेश चंद्र यादव:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बिहार का कोसी क्षेत्र दुग्ध उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार कोसी क्षेत्र में दूध के प्रचुर उत्पादन को देखते हुए सहरसा-मधेपुरा में डेयरी प्लांट स्थापित करने का है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख) जी हां, बिहार का कोशी क्षेत्र राज्य के दूध उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्षेत्र की समृद्ध कृषि भूमि और पशुधन की बड़ी आबादी के कारण दूध उत्पादन में वृद्धि की गुंजाइश है। दूध उत्पादन में वृद्धि को देखते हुए, बिहार राज्य दुग्ध सहकारी परिसंघ लिमिटेड (COMFED), पटना ने कोसी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, सुपौल के माध्यम से कोसी क्षेत्र में अपने परिचालन का विस्तार किया है। राज्य सरकार की सहायता से डेयरी संयंत्र का 1 लाख लीटर प्रति दिन (LLPD) से 2 लाख लीटर प्रति दिन (LLPD) तक विस्तार किया गया है, जो तीन जिलों सहरसा, सुपौल और मधेपुरा को कवर करता है। इसके अलावा, कोसी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, सुपौल को केंद्रीय क्षेत्र योजना-राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) के तहत बल्क मिल्क कूलर (BMCs), डेटा प्रोसेसर-आधारित दूध संग्रह इकाइयों (DPMCUs) और इलेक्ट्रॉनिक दूध मिलावट परीक्षण मशीनों की स्थापना के लिए सहायता प्राप्त हुई है।

(ग) उपरोक्त के आलोक में प्रश्न नहीं उठता।

****